RAWATSAR P.G. COLLEGE

'Sanskriti Ka Badlta Swaroop Aur AI Ki Bhumika' (SBSAIB-2025)

DATE: 25 January 2025

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)

Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

AI का सामाजिक प्रभाव और चुनौतियाँ

दीपिका रानी, शोधार्थी, इतिहास विभाग, टाटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर (राज०) Email ID- deepikakhyalia121@gmail.com

सारांश

AI एक कृत्रिम बुद्धिमता है जो मानव के जीवन के हर क्षेत्र से जुड़े सारे कार्य सफलतापूर्वक आसानी से कर सकता है। AI आज समाज के लगभग हर क्षेत्र पर प्रभाव डाल रही है। इससे नई सभावानाए उत्पन्न हो रही है शिक्षा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और न्यायपालिका जैसे क्षेत्रो मे AI ने नई सम्भावनाओं को जन्म दिया है। सामाजिक असमानता, बेरोजगारी, और पर्यावरणीय समस्याओं जैसे के समाधान में AI अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। AI के जनक जोन जैकार्थी है। भारत में AI का जनक जाना के प्रोफेसर राज रेडी है जो • कम्प्यूटर वैज्ञानिक और प्रोफेसर है। जिन्होंने AI के क्षेत्र में' महत्वपूर्ण अपना योगदान दिया है। रेडी को 1974 में अपने कार्य AI में विशेष योगदान के कारण टूरिग पुरस्कार मिला था। AI के प्रभाव ने मानव जीवन को सहज, सरल बना दिया है मानव के अस्तित्व और समय–समय पर बदलाव के लिए कुछ महलपूर्ण तकनीक का इस्तेमाल हो। नई–नई तकनीके व अविष्कार ने मानव जीवन को बहुत लाभ पहुंचाया है जिसके कारण मानव ने बहुत प्रगति की है।

प्रस्तुत शोध में AI का समाजिक प्रत्नाव और चुनौतियों के बारे में समझाने का प्रयास किया है।

<u>शोध पत्र का परिचय</u> –

(AI) यानी कृत्रिम बुद्धिमता एक तकनीक है। जिससे कुम्प्यूटर को मनुष्य जैसे सोचने और कार्य करने की क्षमता मिलती है। यह कम्प्यूटर की स्वयं निर्णय लेने की क्षमता देता है) AI गणित और तर्क का इस्तेमाल करके उस तर्क का अनुकरण करता है जिसका प्रयोग मानव नई जानकारी को सीखने के लिए करता है। AI हमारे कार्यस्थलो की कार्यकुशलता में नाटकीय रुप से सुधार कर सकती है और मनुष्यों द्वारा किए जा सकने वाले कार्य को बढ़ा सकती है। जब AI दोहराव वाले या खतरनाक कार्यों को अपने हाथों में ले लेता है तो यह मानव कार्यबल को ऐसे काम करने के लिए स्वतंत्र कर देता है। जिसके लिए वे बेहतर ढंग से सक्षम है ऐसे कार्य जिनमें स्चनात्मकता और दूसरों के नीच सहानुभूति शामिल होती है जो उनके लिए अधिक आकर्षक है तो इससे खुशी और नौकरी की सन्तुष्टि बढ़ जाती है।

यह शोध पत्र AI के कार्य मानव जीवन में उसकी उपयोगिता समाज पर प्रभाव का वर्णन करता है। विशेष रूप से AI का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है AI कम्प्यूटर को सीखने समस्या समाधान करने और रचनात्मकतो दिखाने में कुशल बनता है। AI चैटबॉट के माध्यम से ग्राहको की समस्या का समाधान करता है। यह शोध यह समझाने का प्रयत्न करता है कि AI ने मानव जीवन मैं किस प्रकार अपनी महलपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस शोध में यह दर्शाया गया है किAI डेटा का आकलन करने के लिए एलगोरिदम का उपयोग करते है इसका उपयोग निर्णय लेने या अवलोकन करने के लिए करते है। AI से दक्षता और सटीकता में सुधार होता है। और मानवीय त्रुटिया भी कम होती है। लागत बचती है सुरक्षा में सुधार होता है।

इस शोध का उद्देश्य AI का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है।AI ने स्वास्थ्य, शिक्षा, मौद्रिक समाधान, नवाचार को बढ़ावा देना मनोरजन, सुरक्षा और सरंक्षा में सुधार, नैतिक AI विकास को बढ़ावा देना, कम्प्यूटर बिजन को सशक्त बनाना, निर्णय लेने की क्षमता में सुघार करना इत्यादि । AI मानव जीवन को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण तकनीक है।

<u>मुख्य शब्द</u> – कार्यकुशलता, रचनात्मकता, चैटबॉट एल्गोरिदम सटीकता, मौद्रिक, सशक्त, निर्णय, विजन

शोध प्रविधि

इस शोध में AI का मानव जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा AI के माध्यम से मानव जीवन सहज, सरल बन जाएगा। मानव जीवन पर क्रान्तिकारी प्रभाव होगा स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, नवाचार इसके साथ ही आपराधिक गतिविधियों को रोकने में भी यह तकनीक काफी मददगार साबित हो रही है। इस अध्ययन में विभिन्न शोध प्रविधियों का उपयोग किया गया है ताकि हम विभिन्न पहलुओं को प्रभावी तरीके से समझा सके। नीचे शोध में प्रविधि को विस्तृत रूप से प्रस्तुत की है।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

1 साहित्य समीक्षा

साहित्य समीक्षा का उद्देश्य AI से सबंधित इटरनेट के माध्यम से जानकारी इकट्ठी करना था। इस चरण में AI से सम्बधित विभिन्न साइटों के माध्यम से गहन अध्ययन किया । इसमे AI से सबंधित मानव के जीवन में क्रान्तिकारी बदलाव, व, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनोरजन नवाचार, निर्णय लेने की क्षमता, समस्याओं का जल्द निपटारा कृषि क्षेत्र, व्यवसायिक अनुप्रयोग में सुधार किया गया। इस शोध में इटरनेट के माध्यम से AI का अध्ययन किया ताकि AI का मानव जीवन से गहरा नाता है और AI को हम और अधिक बेहतर ढंग से समझा जा सके।

1. हेल्थकेयर में AI में अनुसंधान (Research in AI in healthcare)

इस क्षेत्र में AI का अधिकतम प्रभाव है। इसने उपचार व निदान के तरीकों में बदलाव किया गया है AI के माध्यम से हेल्थकेयर में काफी आसानी से उपचार किया जा सकता है। कोविड 19 पूरी दुनिया में फैल गया था पूरी मानव आबादी इस महामारी के चपेट में आ गया था बड़ी सख्या में मानव की हानि हुई। AI के माध्यम से लोगो को वायरस से संक्रमित होने से बचाने के लिए इसका विशेष योगदान रहा था।

2. शिक्षा में नवाचार (Education innovation)

AI के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार हुआ, नए विचारों, विधियों, नई शिक्षण तकनीको पाठ्यक्रम को आवश्यकता अनुरुप बेहतर बनाना, समस्याओ की समय–समय पर पहचान करना और उनका समाधान निकालना जिससे छात्र आसानी से सीख सके और उन्हे ज्ञान प्राप्त हो सके और छात्रो को समय–समय पर खोज करने की भावना विकसीत हो सके।

3. मनोरंजन और गेमिग (Entertainment and Gaming)

मनोरंजन और खेल ने इसका भरपूर लाभ उठाया है AI का लाभ उठाने से मनोरंजन और गेमिग ने एक आकर्षक, व्यक्तिगत छवि तैयार की है यह व्यस्त लोगो के लिए एक बेहतर विकल्प बन जाता है। जो पढ़ने या कुछ देखने के लिए समय नहीं निकाल पाते) AI एक किताब का सारांश तैयार कर सकता है कम समय में। AI पुस्तक लेआउट और पुस्तक कवर बनाने में भी मदद कर सकता है। AI फिल्म उद्योग को कई तरह के लाभ प्रदान करता है। AI फिल्म निर्माताओं को ऐसे जटिल दृश्य बनाने की अनुमति देता है जिनके बारे में उन्हेंने पहले कभी नही सोचा था।

4. समस्याओं का जल्द निपटारा –

AI एजेट समस्याओं का जल्द कुशलतापूर्वक हल करने के लिए कई तरह की तकनीको का प्रयोग करता है। खोज एल्गोरिदम, बाँधा सन्तुष्टि विधियों, मानव उत्सर्जन जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। AI एक सेकंड में बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण कर सकता है मनुष्यों को आकडे इकट्ठा करने में घण्टो या कई दिन लग जाते है। स्वास्थ्य सेवा में, व्यक्तिगत उपचार योजनाओ दवा खोज, कृषि में, यह फसल की पैदावार को अनुकुलित करता है।

5. कृषि क्षेत्र में नवाचार Agriculture innovation

कृषि में AI का उपयोग किसानों को फसल संबधी जानकारी प्रदान करता है, जिससे उन्हें समय रहते यह पता चलता है कि किन क्षेत्रों में सिचाई, खाद, कीटनाशक दवाईयो की आवश्यकता है। AI ऐसी फसलो का उत्पादन करने में मदद कर सकता है जो बीमारी से कम प्रभावित होती है और मौसम की स्थिति के लिए बेहतर रूप से अनुकूल होती है। वैज्ञानिक पौधों की किस्मों की पहचान कर सकते है। कृ षि के लिए रोबोट का अध्ययन 1980 के दशक की शुरुआत में शुरु हुआ और जापान ने पहली बार एक ''रोबोट विकसित किया जो कीटनाशक का छिड़काव कर सकता है।

6. मीडिया

मीडिया में AI का प्रयोग बहुत ज्यादा है जो सोशल मीडिया के काम करने के तरीकों में अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। फेसबुक पर कोई पोस्ट' करना, इस्टाग्राम विज्ञापन लिखना, बड़े पैमाने पर पोस्ट का विश्लेषण करना, फेसबुक फोटो से चेहरे की पहचान करना इत्यादि। इस्टाग्राम वास्तविक समय में आपके चेहरे के साथ चलने वाले फिल्टर को ओवपले करने के लिए कम्प्यूटर विजन और AI का उपयोग करते है।

शोध पत्र की परिकल्पना

इस शोध पत्र की परिकल्पना का मुख्य उद्देश्य AI का मानन जीवन में गहरा संबंध है। AI कम्प्यूटर विज्ञान की एक शाखा है। जो कि मानव के व्यवहार का अनुकरण करने वाली मशीनों के निर्माण से सबधित है। मानव व्यवहार को समझने में चुनौतियों के बावजूद AI अनुसंधान तकनीकी क्षमताओं को आगे बढ़ने के लिए मूल्यवान है। AI धीरे–धीरे बुद्धिमान मशीनों और एल्गोरिदम में विकसीत हुआ है। AI आजकल बहुत भहलपूर्ण है क्योकि यह हमारे जीवन में बहुत सी चीजो को बदल रहा है।

मुख्य विचारधारा

1. चेहरा पहचानने की तकनीक –

चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक धीरे–धीरे हमारा रोजमर्रा का अनुभव बन गई है सार्वजनिक स्थानों पर लगे सीसीटीवी के माध्यम से, स्मार्टफोन के साथ आने गली चेहरे की पहचान करने वाली तकनीको के माध्यम से। सीसीटीवी से जुड़ी इस तकनीक को आमतौर पर सुरक्षा चितांओ के आबार पर उचित ठहराया जाता है।

2. व्यक्तिगत खरीददारी

आनलाइन शॉपिग साइट्स द्वारा ग्राहक के लिए AI तकनीक का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। अमेजन, फलीपकार्ड, मैशो, शोपसी, पर्पट, सवाना जैसी साइट्स को कैसे पता चलता है कि आप सफेद नाइक्स की जोड़ी खरीदने के बारे में सोच रहे हो। साइटे आपकी रचियों को इकट्ठा करती है और ऐप, वेवसाइड के माध्यम से आपकी गतिविधियों को ट्रैक करती है। उपभोक्ता के लिए व्यक्तिगत खरीदारी का अनुभव प्रदान करने में बुद्धिमता का यह स्तर महत्वपूर्ण है।

3. डिजिटल वायस असिस्टेट

परिकल्पना का महत्वपूर्ण पहल यह है कि AI का ज्यादा प्रयोग समाज मे सकरात्मक प्रभाव बदलाव ला सकता है। आज का युग सोशल मीडिया का है। डिजिटल वायस असिस्टेट एक ऐसा उपकरण है जिसका हम सभी कभी कभी इस्तेमाल करते है यह अधिकांश स्मार्टफोन में पाया जाता है विश्व के बहुत से घरो में अलग–अलग डिजिटल वायस असिस्टेंट भी होते है जिनका उपयोग रेडियो चालू और बंद करने, ट्रेन टिकट ऑर्डर करने, प्रियजनो को संदेश भेजने के लिए किया जाता है।

4. ई–मेल और संदेश भेजना

इस शोध में यह परिकल्पित किया गया है कि हम दिन में कम से कम ई–मेल भेजते है और ज्यादा से ज्यादा टेक्स्ट मैसेज भी करते है। AI हमें सदेश लिखने में हमारी मदद करता है। इससे कभी–कभी मजेदार संदेश आदान–प्रदान होता है। अगर ज्यादा संदेश लिखते हो तो यह आपके जीवन को आसान बना सकता है

5. गूगल इंटरनेट सर्च –

इस शोध में यह शामिल किया गया है कि हममें से ज्यादातार लोग गूगल का प्रयोग करते है। हम खोज किए बिना एक दिन भी नहीं रह सकते। जो कुछ भी हम खोजते है वह AI के माध्यम से खोजा जाता है। वे विज्ञापन जो आपको हर जगह फॉलो करते AI वे आपकी सर्च हिस्ट्री पर आधारित है। जब कोई सर्च इंजन इतना प्रभावशाली हो जाता है जैसे कि गूगल है, तो यह इस बात पर बहुत अधिक प्रभाव डालता है कि हम कौन सी जानकारी खोजते है और उसको कितना काम में लेते है।

समाज पर AI का सकारात्मक प्रभाव

परिकल्पना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि AI का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। AI ने मानव को पूरी तरह से बदल दिया है। एक आशावादी AI हमारी दुनिया को लगातार बदल रही है मानव होने के नाते मेरा मानना है कि ज्यादातर बदलाव अच्छे होगे। AI निश्चित रूप से हमारे कार्यबल को विकसित करेगी। कृत्रिम बुद्धिमता हमारे कार्यस्थलो की कार्यकुशलता में नाटकीय रूप से सुधार कर सकती है। मनुष्यों के द्वारा किए जा सकने वाले काम को बढ़ा सकती है। जब AI दोहराव या खतरनाक कार्यों को अपने हाथों में ले लेता है, तो यह मानव कार्यबल को ऐसे काम करने के लिए स्वतंत्र कर देता है जिसके लिए वे बेहतर ढंग से सक्षम है ऐसे कार्य जिनमे रचनात्मकता और दूसरो के बीच सहानुभूति शामिल होती है। कृत्रिम बुद्धिमता स्वास्थ्य सेवा का नाटकिय रुप से प्रभावित करती है। स्वास्थ्य सुविधाओ

और चिकित्सा संगठनो के संचालन में सुधार करके AI परिचालन लागत को कम कर सकता है। व्यक्तिगत उपचार योजनाओ और दवा प्रोटोकॉल की सभावना के साथ – साथ प्रदाताओं को रोगी देखभाल की जानकारी देने में मदद करने के लिए चिकित्सा सुविधाओं में बेहतर जानकारी देना जीवन बदलने वाला होगा। स्वायत परिवहन और AI की शुरुआत से ही हमारा समाज उत्पादकता के अनगिनत घंटे प्राप्त कर लेगा, जो हमारे यातायात की भीड़भाड़ की समस्याओं को प्रभावित करेगा। उत्पादकता में सुधार करेगा । तनाव से मुक्त होकर मनुष्य अपना ज्यादातर समय अन्य गतिविधियो में व्यतीत करेगा। चेहरे की पहचान करने वाली' तकनीक फिगरप्रिंट की तरह आम होती जा रही है। न्याय प्रणाली में AI का उपयोग किसी व्यक्ति की गोपनीयता का उल्लंघन किए बिना तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जाए। प्रोद्योगिकी के नए अनुप्रयोगों में आने के साथ–साथ कई सीखने के अनुभव और चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। AI का समाज पर अधिक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा ।

शोध पत्र अध्ययन के उद्देश्य

इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य AI का मानव जीवन पर अधिक प्रभाव का वर्णन करता है यह शोब कृ त्रिम बुद्धिभता के माध्यम से यह समझाने का प्रयास करता है कि AI ने मानव जीवन में एक क्रान्तिकारी बदलाव लाया है जो कि मनुष्य के लिए अति आवश्यक है। कृत्रिम बुद्धिमता एक ऐसी वक्त्रीक है जो कम्प्यूटर को मानव व्यवहार को पढ़कर स्वतंत्र रूप से लेकिन बुद्धिमानी से काम करने में सक्षम बनाती है। ना के आवश्यक उद्देश्य नीचे शामिल किए गए :

1. सामाजिक बुद्धिमता को प्रोत्साहित करे

AI जो मानवीय, अनुभवो भावनाओं को पहचानती है, व्याख्या करती है और उसका अनुकरण करती है उसे भावना AI कहा जाता है। AI चेहरे के भाव, शरीर की भाषा, आवाज की टोन को पढ़कर भावात्मक कप्यूटिंग के साथ मानवीय स्तर पर बातचीत कर सकते हैं। नवीनतम शोध प्रयास मशीनो की सामाजिक बुद्धिमता को बढ़ाते है।

2. सामान्य बुद्धिमता हासिल करे –

AI पर शोध का उद्देश्य ऐसी मशीने विकसित करना है जो मनुष्यों के सज्ञानात्मक कौशल को सयोजित कर सके और मनुष्यों से बेहतर कार्य कर सके। ऐसा करके अध्ययन अधिक कुशलता से पूरे किए जा सकते है।

3. मानव और AI के बीच तालमेल को बढ़ावा देना–

AI में मुख्य लक्ष्यों में से एक है मनुष्यों और मा के बीच एक सह क्रियात्मक संबंध विकसित करना। यह सूचना एक स्त्रोत पर निर्भर रहने के बजाय एक–दूसरे की क्षमताओं का पूरक है।

4. कृत्रिम बुद्धिमता योजना बनाने में सहायता करती है

सबसे महत्वपूर्ण और सामान्य मानवीय गुणौ में से एक है उन्हें पूरा करने के लिए योजना बनाने और लक्ष्य बनाने की क्षमता। AI का लक्ष्य इन सभी चीजों को निष्पादित करने में सक्षम होना है हमें यह पता लगाने की जरूरत है कि भविष्य के बारे में कम्प्यूटर को एक दृष्टि कैसे दी जाए जो मौजूद नहीं है मशीन के लिए जटिल है जो केवल सत्य य असत्य वाइनरी में भाषा को समझती है।

5. आर्टिफिशियल इंटेलिजेस के साथ सहयोग का एक नया गुण

AI का भविष्य वर्चस्व के बारे में न होकर सहयोग के बारे में है। मनुष्यों के साथ मिलकर काम करके AI हमें ऐसी चीजे धसिल करने में मदद कर सकती है जिनके बारे में सोचना कभी असंभव था। AI संचालित सिस्टम हमें कला बनाने, किताबे संगीत या रैप बनाने में मदद करे। AI की संभावनाएँ अनंत है जिनकी हम कल्पना नहीं कर सकते।

5. **मशीन लर्निंग और डेटा सांइस में प्रगति**

AI मशीन लर्निंग और डेटा साइस से बहुत करीब से जुड़ा हुआ है, जिसमे डेटा से सीखने और परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए कम्प्यूटर को प्रशिक्षित करना शामिल है। विचार ऐसे मॉडल बनाने का है जो समय के साथ बेहतर होते जाएंगे क्योकि वे नए डेटा के अधीन होगे। यह सुविधा भविष्य कहनेवाला

RAWATSAR P.G. COLLEGE
'Sanskriti Ka Badlta Swaroop Aur AI Ki Bhumika' (SBSAIB-2025)
DATE: 25 January 2025
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

विश्लेषण में आवश्यक है, जहाँ AI पिछले डेटा के आधार पर रुझानो और व्यवहारों का अनुमान लगा सकता है।

6. **कप्यूटर विजन को सशक्त बनाना** –

AI का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य कप्यूटर विजन को बेहतर बनाना है, जिससे मशीनें विजुअल डेटा का विश्लेषण और समझ सकें। इसमें वस्तुओं की पहचान करना, विजुअल मूल्याकन करना और चेहरे के भावों के माध्यम से भावनाओं का पता लगाना भी शामिल है। कप्यूटर विजन का उपयोग कई तरह के अनुप्रयोगों में किया जाता है, जिसमें ड्राइवरलेस वाहन, मेडिकल इमेजिंग और सुरता प्रणालियों शामिल है। इसका लक्ष्य मशीनों को अपने आस– पास के वातावरण को उचित रूप से देखने और प्रतिक्रिया करने की क्षमता देना है।

कृत्रिम बुद्धिमता से उत्पन्न चुनौतियाँ –

1 **बेरोजगारी का खतरा** –

रोबोटिक्स और AI कंपनियों द्वारा उन बुद्धिमान मशीनो का निर्माण किया जा रहा है जो सामान्यत कम आय वाले श्रमिको द्वारा किए जाने वाले कार्यों को करने में सक्षम है जैसे कैशियर के कार्यों को करने हेतु सेवा कियोस्क का उपयोग, फलो को चुनने वाले रोबोट द्वारा फील्ड में कार्य करने वाले लोगों को प्रतिस्थापित करना ।

2 **डेटा गोपनीयता की समस्या**

AI के उपयोग से डेटा गोपनीयता से संबंधित गंभीर चिताएँ उत्पन्न हुई है। जटिल एल्गोरिदम में विशाल मात्रा में डेटा की आवश्यकता होती है, जिसके कारण प्राय! आम लोगों के डिजिटल फुटप्रिन्ट को बिना उनकी जानकारी अथवा सूचित सहमति के बेचा जाता है और इसका प्रयोग किया जाता है।

3 **प्रौद्योगिकी की लत** –

तकनीकी लत मानव की एक सीमा निर्धारित करती है। AI का उपयोग पहले से ही मानव ध्यान को निर्देशित करने और कुछ कार्यों को अपने अनुसार नियंत्रित करने हेत किया जा रहा है। तकनीकी का सही इस्तेमाल समाज को अधिक लाभकारी बनाने का अवसर प्रदान करता वहीं इसके गलत हाथों में जाने से यह समाज के खिलाफ भी साबित हो सकता है।

4. **सुरक्षा और गोपनीयता जोखिम**

AI डेटा पर बहुत ज्यादा निर्भर करता है, और व्यक्तिगत जानकारी का संग्रह और उपयोग सुरक्षा और गोपनीयता के बारे में चिताएँ पैदा करता है। संवेदनशील डेटा को अनधिकृत पहुँच और उल्लंघनों से बचाने के लिए मर सिस्टम को मजबूत दुरखा उपायो के साथ डिजाइन किया जाना चाहिए।

5 **मनुष्य को आलसी और सृजनात्मक न बनाना** –

मनुष्य अब ज्यादातर कामों के लिए AI का इस्तेमाल कर सकते है। वास्तव में, अकादमिक दुनिया में, AI शोध कर सकता है और ज्यादातर शोचपत्र लिखने में मदद कर सकता है। मनुष्य सोचने के लिए AI का उपयोग कर सकता है, इसलिए आवश्यक कौशल, जैसे आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, समस्या समाधान और निर्णय लेने की क्षमता, का उपयोग शायद ही किया जाएगा।

निष्कर्ष

कृत्रिम बुद्धिमता और मशीन लर्निंग, भविष्य के कार्य जगत पर इसके प्रभाव, तथा व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर इसके प्रभावो पर लेखो की एक दिखला से जानकारी एकत्रित करता है। इस शोध पत्र से स्पष्ट होता है कि कृत्रिम बुद्धिमता का मानव जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। साक्ष्य बताते है कि कर वर्तमान में मानव गानहार को पुनः पेश करने या मानव सोच को पार करने में असगर्च है, यह आने वाले बहुत लये समय तक एक पुरक कार्यवल उपकरण बने रहने की संभावना है। AI में लगातार क्रमिक सुधार एक ऐसे बिंदु तरु पहुँच सकते हैं जहाँ कर इर्तमान अपेक्षाओ से आगे निकल जाए।

AI का निरंतर विकास इसके लाभों और स्वीकार्यता के बारे में नैतिक जनमत पर निर्भर करेगा व्यवसायों को इसका उपयोग करके प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करना जारी रखना होगा, और इसके अनुसंधान और विकास के लिए निरंतर वित पोषण करना होगा।

RAWATSAR P.G. COLLEGE
'Sanskriti Ka Badlta Swaroop Aur AI Ki Bhumika' (SBSAIB-2025)
DATE: 25 January 2025
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

ऐतिहासिक रूप से, किसी कार्य को स्वचालित करने से यह तेज और सस्ता हो गया है, जिससे उन कार्यों को करने के लिए मनुष्यों की मागे बढ़ गई है जिन्हें स्वचालित नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, नौकरियों को पूरी तरह से बदलने की बजाय, प्रौद्योगिकी ने कुछ नौकरियों की प्रकृति को बदल दिया है, साथ ही उन्हें करने के लिए आवश्यक कौशल भी।

जैसे– जैसे कार्यस्थल, नौकरियां और कार्य बदलते है, ज्ञान को अपडेट करने की आवश्यकता होगी, और कौशल को अनुकूलित करने की आवश्यकता होगी। भविष्य में जहाँ लाभ और जोखिम अगणनीय है यह इस बात पर निर्भर करेगा कि मनुष्य तकनीक का उपयोग कैसे करता है कि यह अच्छा है या बुरा । मशीन लर्निंग की शक्ति और लाभो का दोहन करने के लिए हमें यह तय करना होगा कि हम मशीनो से क्या सीखना या करना चाहते है, और हम उनसे किन सवालो के जवान चाहते है।

भविष्य में, जब मनुष्य तेजी से AI के साथ मिलकर काम करेगे, तो एचएसई के दूरदर्शिता केन्द्र में हमारे लिए चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि हम किसी भी सकारात्मक स्वास्थ्य और सुरक्षा परिणामों का पूर्वानुमान लगा सकें, जोखिमो का आकलन कर सकें, और भविष्य की कार्यशील दुनिया को लाभ पहुंचाने के लिए इस ज्ञान को साझा कर सके।

संदर्भ सूची

1. एड्रियास कपलान (2022) AI विजनेस और सभ्यता हमारी किस्मत मशीनो से बनी है, कटलेज
2. रसेल और नारविंग 2009 पृष्ठ 2
3. शैक, रोजर सी (1991) अल कहाँ है। पुरानी पत्रिका धारा 12 अंक, प पी 38.
4. https%// Ciberties. ev. com
5. https%// bernardmarr. com
6. https%// WWW. Linkedin.com
7. https%// arramton-.com
8. https%// Ashokveda.com
9. https%// WWW. Drishtias. com
10. https!!! WWW .Shopline.co.uk